# RTE WATCH PROGRAM REPORT

2015-2018

LOK ASTHA SEWA SANSTHAN
SUPPORTED BY - UNICEF |

# RTE (Right to Education) Watch and Learning Program

-

**Supported By- UNICEF**

वर्ष 2015 से 2017 तथा 2018 से 2020 तक RTE वाच एवं सिख कार्यक्रम संचालित किया गया ,जिसमे छत्तीसगढ़ राज्य के जिला महासमुंद, धमतरी, कांकेर , रायपुर व गरियाबंद जिला के 115 गाँव के प्रायमरी व मिडिल स्कुल में बच्चो की शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए व शिक्षा के अधिकार कानून की निगरानी कर बेहतर बनाने का प्रयास किया गया |

**RTE मित्र का चयन**

प्रत्येक गाँव में 4 RTE मित्र का चयन किया गया , जो बच्चो के लिए समय निकालकर 1 घंटे प्रतिदिन बच्चो की पढाई कर सके | प्रत्येक गाँव में एक स्थान का चयन कर बच्चो की केटेगरी बनाकर , शिक्षा प्रदान कराना उद्देश्य था |

**RTE मित्र का प्रशिक्षण**

सभी जिला के RTE मित्र का RTE watch कार्यक्रम के अंतर्गत RTE मित्र की भूमिका पर तथा कैसे बच्चो के लिए शिक्षा में बेहतर होने तथा शिक्षा के अधिकार कानून की क्रियान्वयन में अहम् भूमिका होगी इस पर प्रशिक्षित किया गया | बच्चो को कैसे सरल भाषा में शिक्षा देंगे उस समझ बनाया गया | कला, भाषा, गणित, स्वास्थ्य, पर प्रमुख रूप से जानकारी प्रदान किया गया | बच्चो की शिक्षा स्थिति में सुधर लाने एवं गाँव व स्कूल में बच्चो के अनुरूप माहौल तैयार करने के लिए हर स्कूल में गाँव के 4 RTE मित्रो का चयन समुदाय के द्वारा किया गया जिसे संसथान द्वारा प्रशिक्षित कर इनका सहयोग लिया गया |

**शिक्षा प्रोत्साहन केंद्र का संचालन** :- गाँव में 386 RTE मित्रो के द्वारा अपने घर , शासकीय भवन, सामुदायिक भवन में बच्चो प्रतिदिन लगभग 1 घंटा बच्चो को अलग अलग गतिविधि (जैसे - खेल, TLM (Teaching learning material) -सहायक शिक्षण सामग्री , गीत, कहानी, विषय आधारित शिक्षा) के माध्यम से बच्चो को पढाते थे, जिससे बच्चो की लर्निंग स्तर में सुधार के साथ स्कूल में उपस्थिति में बढ़ोत्तरी आया | बच्चो के साथ कैसे TLM निर्माण किया

जाये उसके बारे में भी बच्चो को सिखाया गया | बच्चो को पड़ने में कैसे मजा के अध्ययन किया  जाये और वे अपनी सिख को बढ़ाये उस पर फोकस करते हुए इस प्रोत्साहन केंद्र में गतिविधि की जाति रही |

**शिक्षण संसाधन केंद्र** - यह प्रत्येक ब्लाक के एक जगह पर स्कुल के शिक्षक के लिए शिक्षा संसाधन केंद्र के स्थापना किया गया जिसमे संकुल स्तर पर शिक्षको की बैठक करना | और वहां पर शिक्षको को भी बच्चो के माहोल शिक्षण कार्य करने हेतु सिखने सिखाने की प्रक्रिया की जाती और सिखकर बचो को सामान्य रूप से पढाई कराते शिक्षण संसाधन केंद्र में अलग अलग पुस्तक, TLM, खेल सामग्री |

**RTE एक्ट के क्रियान्वयन एवं मजबूतीकरण के लिए समुदाय और पालक की भागीदारी कार्य**

- सभी स्कुल के शाला समिती के साथ बैठक किया , कार्य जिम्मेदारी के बारे में समझ बनाया |
- अनियमित बच्चे के घर smc को साथ लेकर जाना,
- शिक्षक व् smc के साथ सम्बन्ध स्थापित किया गया ,
- SMC को विभिन्न सरकारी योजना से जोड़ा गया है |
- SDP बनाने के लिए smc का समझ बनाया गया |
- स्कुल की समस्याओ को ब्लाक व् जिला स्तर पर सवाद किया गया जिससे विभागीय रिश्ता बनाया गया  |
- Smc व् पालक की शाला अवलोकन में भागीदारी कराया गया

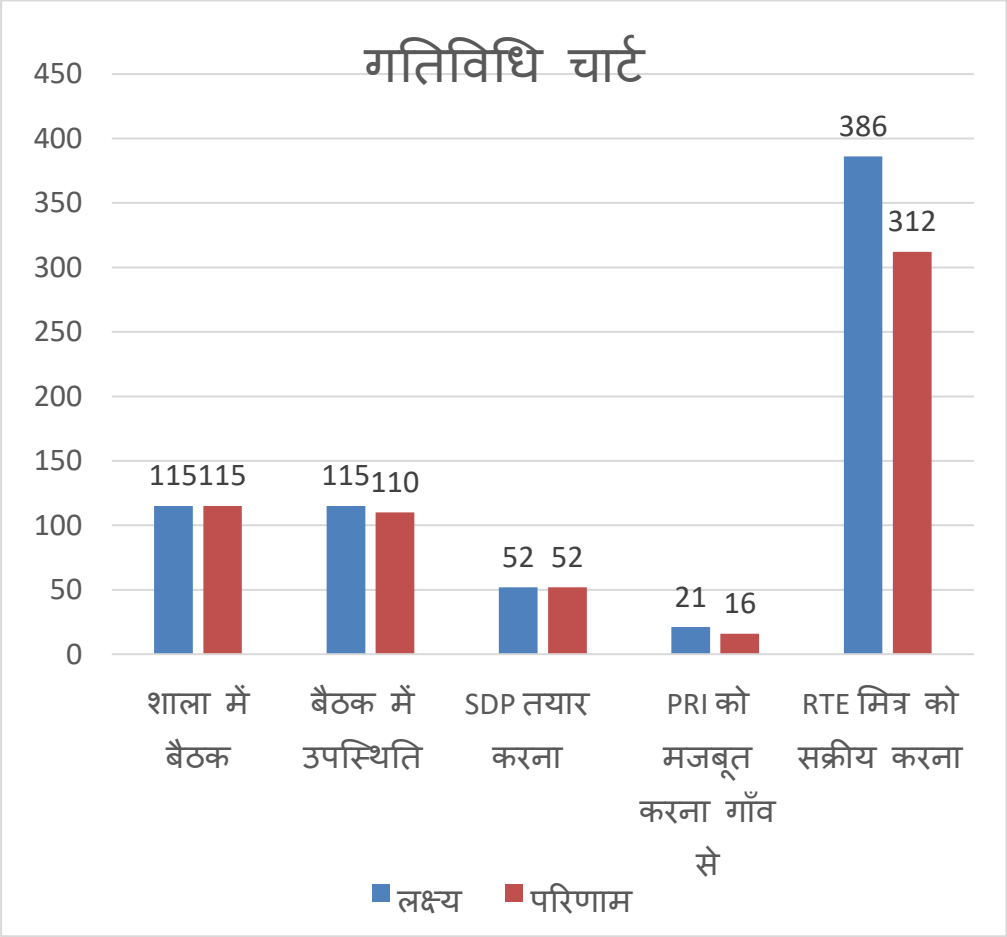


**Main Project Program :-**

1. **पालक एवं शाला प्रबंधान समिति का बैठक एवं प्रशिक्षण :-** बच्चो के शिक्षा के स्तर, स्कूल बुनयादी सुविधा, स्कूल की निगरानी एवं समिति के सदस्यों की कार्य एवं जिम्मेदारी को लेकर संसथान के द्वारा हर माह बैठक का आयोजन किया जाता था, साथ ही प्रशिक्षण देकर शिक्षा के माहत्व के बारे में समझ बनाया गया |
2. **बच्चो का अकादमिक स्तर जानने के लिए टेस्ट लेना :-** सस्थान के द्वारा प्रति वर्ष दो बार कक्षा 3, 5 के बच्चो के टेस्ट पेपर तैयार कर टेस्ट लेकर अकादमिक स्तर के बारे में जानकारी होने से रिपोर्ट को लेकर अलग अलग स्तर (स्कूल, संकुल, ब्लाक, जिला ) साझा कर कार्ययोजना तैयार कर काम किया गया |
3. **शिक्षको के साथ संकुल स्तर में बैठक :-** शिक्षक एवं संकुल समन्वयक के साथ बैठक कर बच्चो के शिक्षा स्तर, ड्राप आउट बच्चो एवं अन्य स्स्कुल से सम्बंधित समस्या पर चर्चा करना और मिलकर काम करना |
4. **समर कैम्प का आयोजन :-** गर्मी में स्कूल की छुट्टी होने के कारण बच्चे पढाई से विमुख हो जाते है जिससे ध्यान में रखते हुए संस्थान के द्वारा प्रत्येक गाँव में समर

कैम्प का आयोजन कर बच्चो को पढाई के साथ साथ पेंटिंग, कागज, मिट्टी से अलग अलग कलाकृति बनाने के बारे में सिखाना एवं बनवाना जिससे बच्चो खेल खेल में पढाई के साथ अन्य कला सिख सके |

5. **अनियमित एवं ड्रापआउट बच्चे को मुख्यधारा से जोड़ना :-** लोक आस्था सेवा संस्थान द्वारा बच्चो एवं पालक से बार बार संपर्क कर बच्चो का काउंसलिंग कर, शिक्षा के महत्व के बारे में जानकारी देकर बच्चो को शिक्षा के मुख्या धरा से जोड़ा गया,
6. **लर्निंग मेला का आयोजन :-** संसथान के द्वारा स्कूल में बच्चो के लिए लर्निंग मेला का आयोजन किया जाता था जिसमे बच्चे खेल खेल में नाप-तौल, गुना-भाग, जोड़ना-घटाना, उचाई, चौड़ाई, साथ ही स्टाल लगाकर किराना समान का क्रय-विक्रय करना, स्वास्थ्य सम्बंधित जानकारी बीपी चेक करना, विज्ञान किट के प्रयोग से माध्यम से विज्ञान के बारे में समझ बनाना आदि शामिल है |
7. **शिक्षा के मुद्दे को लेकर एडवोकेसी करना:-** स्कूल की भुनियादी सुविधा एवं शिक्षक की कमी को लेकर विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर मुद्दे से अवगत कराकर मांग पूरा करना |

**उपलब्धिया**

- 205 बच्चों को नियमित किया गया
- 63 शाला त्यागी बच्चों को नियमित किया
- आरटीई मित्र, SMC, पंचायत प्रतिनिधि, पालक जागरूक हुए
- 26 स्कूल में पुस्तकालय क्रियाशील
- 20 मॉडल पुस्तकालय विकसित किया गया
- 56 शिक्षा प्रोत्साहन केंद्र संचालित
- शिक्षा विभाग के साथ अच्छा सम्बन्ध बनाकर कार्य किया गया |
- लर्निंग मेला के माध्यम से स्कुल व् समुदाय के साथ वातावरण बनाया गया |
- स्कुलो की बुनियादी सुविधायो को SMC के माध्यम से पूर्ण किया गया |

RTE- Right to Education

TLM- Teaching learning Material

SMC- School Management Committee

SDP- School Development Plane

EGR- Early Grade Reading

अमृत संदेश

1 2016

अमृत संदेश भाटापारा-बलौदाबाजार-गरिया

## शाला में निःशुल्क व अनिवार्य शिक्षा के अधिकार हो : लता

लोक आस्था सेवा संस्थान